ches are reviewed periodically, taking into account the current volume and nature of work.

हस्तशिल्पों के विकास के लिए निर्धारित लक्ष्य

2667. श्री राजूभाई ए० परमार : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष के दौरान हस्तशिल्पों के विकास के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए थे ;

(ख) इन लक्ष्यों को किस सीमा तक पूरा किया गया है ;

(ग) क्या यह सच है कि हस्तशिल्प के विकास से संबंधित आंकड़े राज्यवार प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं; और

(घ) यदि हां, तो इन आंकड़ों को एकत्र करने के आधार क्या हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) और (ख) एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिये)**

(ग) जी हां।

(घ) निर्यात आंकड़े विभिन्न सीमा-शुल्क गृहों की दैनिक सूची से समेकित किए जाते हैं और उत्पादन तथा रोजगार संबंधी आंकड़े अखिल भारतीय आधार पर किए गए आकलन से लिए जाते हैं।

विवरण

(क) पिछले वर्ष के दौरान हस्तशिल्प के विकास के लिए निर्धारित लक्ष्य निम्नोक्त प्रकार है :—

वर्ष	उत्पादन (करोड़ रुपये में)	रोजगार (लाख व्यक्तियों में)	निर्यात (करोड़ रुपये में) रत्न तथा आभूषण को छोड़कर
1991–92 . . .	13260	48.25	1584.00

(ख) अनन्तिम आकलनों के अनुसार लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है। हस्तशिल्प के निर्यात 1810 करोड़ रुपये (अनन्तिम) के हुए जो लक्ष्य से अधिक हैं।

Cotton Stocks in Andhra Pradesh

2668. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a huge cotton stocks are lying with the growers of Guntur and Prakasam districts in Andhra Pradesh;

(b) if so, what is the quantity and what are the reasons for the present plight; and

(c) what steps Government pro pose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) Kapas equivalent to about 50,000 to 75,000 bales is reported to be lying with, cotton growers 'of Gun-/tur and Prakasam districts of Andhra Pradesh. The reasons that could be attributed for this situation are non-disposal of stocks earlier in the season in anticipation of realising higher prices later in the season, low demand at present from the textile mills, the prices demanded by the cotton growers now being not commensurate with its qualtiy, etc.

(c) In the wake of representations received from certain parts of the country, including Andhra Pradesh, regarding stocks of cotton with the farmers, Government has authorised the Cotton Corporation of India to meet the requiements of cotton of some of our neighbouring countries like Nepal, Bangladesh, and Sri Lanka, in the context of bilateral trade agreement upto 30,000 bales.

गुजरात के बुनकरों को सूती धागे की सप्लाई और सहायता

2669. **श्री राजूभाई ए० परमार** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार का गुजरात को प्रतिमाह सूती धागे की गांठें सप्लाई करने का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो क्या गुजरात के बुनकरों को इस समय सूती धागे की उक्त मात्रा उपलब्ध कराई जा रही है ;

(ग) क्या सूती धागे, रंगों और रसायनों के मूल्यों में असाधारण वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप बुनकरों के लिये सरकारी सहायता के बिना ये वस्तुयें खुले बाजार से खरीदना असंभव हो गया है ;

(घ) यदि हां, तो क्या केन्द्रीय सरकार ने हथकरघा बुनकरों को भुखमरी की दयनीय स्थिति से बचाने के लिये कोई कदम उठाये हैं ; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात के बुनकरों को केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रति वर्ष कितनी सहायता दी गई थी ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) (क) गुजरात के बुनकरों को प्राइवेट साधनों के अतिरिक्त केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त कई राज्य अभिकरणों द्वारा सूती धागे की सप्लाई की जा रही है। राज्य हथकरघा अभिकरणों के सूत आपूर्ति के कार्यकलापों में राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम भी योगदान दे रहा है।

(ख) जी हां।

(ग) सूत, रंजक व रसायन के मूल्यों में हुई वृद्धि से इनके व्यापार में असर पड़ा है लेकिन इनकी निकासी से यह पता लगता है कि बुनाई कार्यकलाप चल रहे हैं यद्यपि बुनाई कार्यकलापों की गति कुछ कम है। सूत और रंजक व रसायन की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

(घ) गुजरात में कार्यशाला-सह-आवास योजना, शिफ्ट फंड योजना, विपणन विकास सहायता योजना, जनता कपड़ा योजना और विशेष पैकेज योजना जैसी कई योजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है। अहमदाबाद में स्थित बुनकर सेवा केंद्र बुनकरों को उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से सुधरे हुए डिजाइन उपलब्ध करवा रहा है। अभी हाल ही में मिल-रेट मूल्यों पर सूत की आपूर्ति की एक योजना आरंभ की गई है जिसके अंतर्गत देश के हथकरघा बुनकरों को जिनमें गुजरात के बुनकर भी शामिल हैं वर्ष 1992-93 के दौरान 10 मिलियन किलोग्राम सूत सप्लाई किया जाएगा।

(ङ) हथकरघा के विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए राज्य को ठोस सहायता दी गई है जिसका विवरण इस प्रकार है :-

(लाख रुपयों में)

वर्ष	दी गई सहायता
1989-90	641.38
1990-91	634.24
1991-92	141.84